	1991-92		1999-2000		Increase	
	Require-ment	Avail-ability	Require-ment	Avail-ability	Require-ment	Avail-ability
Peak load (M.W.)	48035	39027	91191	—	43156 89.8%	—
Energy (MU)	287836	265141	517005	—	229169 79%	—

As the 9th Five Year Plan capacity target is not known, figures of availability and percentage increases for 1999-2000 arc not available.

राजस्थान की लम्बित विद्युत परियोजनाएं

212. **श्री शिवचरण सिंह:** क्या विद्युत मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) राजस्थान में विद्युत की आवश्यकता और वर्तमान उपलब्धता कितनी है;

(ख) राजस्थान की उन विद्युत परियोजनाओं के नाम क्या हैं जो केन्द्रीय सरकार के पास विचार और स्वीकृति के लिए इस समय लम्बित हैं;

(ग) पिछले वर्ष के दौरान और चालू वर्ष में अब तक इन परियोजनाओं की स्वीकृति और विद्युत आपूर्ति के लिए क्या प्रयास किए गए हैं और यदि कोई प्रयास नहीं किए गए तो उसके कारण क्या हैं; और

(घ) राजस्थान की लिग्नाइट और गैस आधारित परियोजनाओं को कब तक स्वीकृति दे दी जाएगी और क्या विद्युत उत्पादन की और भी योजनाएं हैं; यदि हां, तो उनका ब्यौरा क्या है?

विद्युत मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री कल्पनाथ राय): (क) अप्रैल-अक्तूबर, 1992 की अवधि के दौरान राजस्थान की ऊर्जा की आवश्यकता 7527 मिलियन यूनिट थी इसकी अपेक्षा 7368 मिलियन यूनिट ऊर्जा उपलब्ध थी।

(ख) और (ग) राजस्थान राज्य के लिए इस समय केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण में कोई जल विद्युत स्कीम विचाराधीन नहीं है। तथापि, केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण में निम्नलिखित नई ताप विद्युत स्कीमों पर विचार किया जा रहा है;

(1) धौलपुर ताप विद्युत केन्द्र 3×250 मे०वाट०—आर०एस०ई०बी०

(2) रामगढ़ गैस आधारित केन्द्र 160 मेगावाट—आर०एस०ई०बी०

(3) मैसर्स सेन्च्यूरी टैक्सटाइल इण्डस्ट्रीज़ लि० का चित्तौड़गढ़ विद्युत केन्द्र 1×500 मेगावाट

परियोजनाएं केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण द्वारा तकनीकी-आर्थिक दृष्टि से स्वीकृति प्रदान किए जाने की स्थिति में नहीं है क्योंकि परियोजना प्राधिकारियों द्वारा अपेक्षित निवेश/स्वीकृतियां यथा कोयला लिंकेज, जल की उपलब्धता, पर्यावरणीय स्वीकृति और सम्बद्ध पारेषण प्रणाली सुनिश्चित नहीं की गई है।

(घ) भिन्न-भिन्न भार प्रचालन पद्धति वाले बरसिंहसर में 2×120 मेगावाट के लिग्नाइट आधारित ताप विद्युत केन्द्र और अंता (चरण-2) में 430 मेगावाट के गैस आधारित केन्द्र, केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण द्वारा तकनीकी-आर्थिक दृष्टि से स्वीकृत कर दिए गए थे। अब बरसिंहसर परियोजना को निजी क्षेत्र में क्रियान्वित किए जाने का प्रस्ताव है और सभी गैस आधारित परियोजनाओं को मूलतः भार प्रचालन के रूप में अधिष्ठापित किए जाने का निर्णय लिया गया है। इसलिये इन दोनों परियोजनाओं का केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण द्वारा पुनःमूल्यांकन किए जाने की आवश्यकता है।